लोक नर्तक राम सहाय पांडे

चर्चा में क्यों?

8 अप्रैल, 2025 को पद्मश्री से सम्मानित **लोक नृत्य कलाकार राम सहाय पांडे** का मध्य प्रदेश के सागर ज़िले में निधन हो गया।

मुख्य बिंदु

- **राम सहाय पांडे के बारे में:**
  - उनका जन्म 11 मार्च 1933 को **सागर ज़िले के मड़धार पठा गाँव** में हुआ था।
  - वे एक कृषक ब्राह्मण परिवार से थे और चार भाई-बहनों में सबसे छोटे थे।
  - उन्होंने **राई नृत्य** को सम्मानित कला के रूप में स्थापित किया। उन्होंने राई नृत्य को **24 देशों में पहचान दिलाई** और **बुंदेलखंडी लोक नृत्य नाट्य कला परिषद** की स्थापना की।
  - **वर्ष 2022 में उन्हें पद्म श्री** से सम्मानित किया गया।
  - इसके अलावा, वर्ष 1980 में उन्हें **'नृत्य शिरोमणि'** की उपाधि से नवाजा गया।

राई नृत्य

- राई नृत्य बुंदेलखंड का सबसे प्रसिद्ध नृत्य है।
- यह नृत्य विशेष रूप से **विवाह और जन्म उत्सव जैसे विशेष अवसरों पर** किया जाता है।
- इसमें पुरुष और महिलाएँ दोनों नाचते हैं। राई नृत्य करने वाली महिलाओं को बेड़नियाँ और पुरुषों को मृदंगधारी कहते हैं।
- महिलाएँ पैरों में घुंघरू बाँधकर और सज-धज कर मृदंग की थाप पर नाचती हैं। इस दौरान पुरुष और महिलाएँ देशी स्वांग भी गाते हैं।
- राई नृत्य न केवल सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखता है, बल्कि इसमें छिपी लोक कला और परंपराओं को भी प्रकट करता है, जो बुंदेलखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की प्रतीक है।
- मध्य प्रदेश में **बेदिया जनजाति** इस लोक नृत्य को करती है।
- वैश्य समुदाय में बच्चे के जन्म के अवसर पर यह अहीर जनजाति की महिलाओं द्वारा भी किया जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/folk-dancer-ram-sahai-pandey